देहरादून,पौड़ी-गढ़वाल व अल्मोड़ा से प्रकाशित www.page3news.in नगर संस्करण वर्ष 16 अंकः 107 पृष्ठ : 8 मूल्यः एक रूपए

विचार-प्रवाह...ताइवान को मान्यता मिले

देहरादून, रविवार, 25 जुलाई 2021

पेज श्री

मौसम अधिकतम 29.0° न्यूनतम 25.0°

42243.40

2 लद्दाख में भारत से चीन से तनाव

7 चानू ने ओलिंपिक में रजत पदक जीता

21 सालों का सूखा 30 सेकंड में खत्म

वेटलिफ्टिंग में मीराबाई चानू ने जीता सिल्वर, पीएम मोदी ने फोन पर बात कर बधाई दी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। ओलिंपिक में भारत ने पहला मेडल जीत लिया है। वेटलिफ्टर मीराबाई चानू ने वेटलिफ्टिंग में महिला 49 किग्रा वर्ग में रजत पदक जीता है। चानू वेटलिफ्टिंग में ओलंपिक पदक जीतने वाली दूसरी भारतीय बन गई हैं। इस जीत ने ओलिंपिक के वेटलिफ्टिंग में पदक के लिए भारत के 21 साल के लंबे इंतजार को खत्म कर दिया। चानू की जीत पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर उन्हें बधाई दी है।

टोक्यो ओलिंपिक में मीराबाई चानू जीत की सराहना करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, इससे भव्य खेल आयोजन की इससे सुखद शुरुआत नहीं हो सकती थी। मीराबाई चानू के शानदार प्रदर्शन से भारत उत्साहित है। वेटलिफ्टिंग में रजत पदक जीतने के लिए उन्हें बधाई। उनकी सफलता हर भारतीय को प्रेरित करती है। बाद में फोन पर बधाई दी।

केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने मीराबाई चानू को बधाई दी। उन्होंने कहा कि पहले ही दिन रजत पदक जीत कर आप 135 करोड़ भारतीयों के चेहरे पर एक मुस्कान लेकर आइ हैं, आपने देश के बाकी खिलाड़ियों को भी प्रेरणा देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि टोक्यो ओलंपिक में भारत के बाकी खिलाड़ी भी मीराबाई चानू की राह चलकर इतिहास बनाएंगे।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने ट्वीट कर लिखा, मीराबाई चानू को पहले ही दिन हमारे देश के पहले पदक के लिए बधाई। भारत को अपनी बेटी पर गर्व है। रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने चानू को बधाई देते हुए लिखा, टोक्यो में ओलंपिक खेलों में महिला वेटलिफ्टिंग प्रतियोगिता में रजत पदक जीतने के लिए मीराबाई चानू को बधाई।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मीराबाई चानू को बधाई देते हुए लिखा, आज फिर भारत की मातृशक्ति ने वैश्विक पटल पर मां भारती को गौरवभूषित किया है। आज टोक्यो 2020 में मीराबाई चानू ने अद्भुत कौशल का परिचय देते हुए रजत पदक जीत कर देश को गौरवान्वित किया है।

तोक्यो में चानू चानू...

मणिपुर की इस भारोत्तोलक ने समय लेकर वजन उठाया। उन्होंने अगले प्रयास में 87 किग्रा वजन उठाया और फिर इसे बढ़ाकर 89 किग्रा कर दिया। हालांकि वह स्नैच में अपने व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन को बेहतर नहीं कर सकीं और स्नैच में उन्होंने 87 किग्रा का वजन उठाया और वह जिहुई से ही इसमें पीछे रहीं।

5 सालों का सपना पूरा हुआः चानू

करियर की इस शानदार जीत के बाद चानू ने पत्रकारों से कहा, 'मैं बहुत खुश हूं, मैं पिछले पांच वर्षों से इसका सपना देख रही थी। इस समय मुझे खुद पर गर्व महसूस हो रहा है। मैंने स्वर्ण पदक की कोशिश की लेकिन रजत पदक भी मेरे लिये बहुत बड़ी उपलब्धि है।'

अमेरिका में ट्रेनिंग कर रही थीं चानू

वेटलिफ्टर मीराबाई चानू पिछले कुछ महीनों से अमेरिका में ट्रेनिंग कर रही थी। 2016 का अनुभव काफी खराब रहा था और उन्होंने इसके बारे में बात करते हुए कहा था कि बड़े मंच पर अपने पदार्पण के दौरान वह कितनी घबरायी हुई थी।

चीन की होऊ जिहुई ने जीता स्वर्ण, चानू दूसरे नंबर पर

चीन की होऊ जिहुई ने 210 किग्रा (94 किग्रा. 116 किग्रा) के प्रयास से स्वर्ण पदक जीता जबकि इंडोनेशिया की ऐसाह विंडी कांटिका ने 194 किग्रा (84 किग्रा. 110 किग्रा) के प्रयास से कांस्य पदक अपने नाम किया। स्नैच को चानू की कमजोरी माना जा रहा था, लेकिन उन्होंने पहले ही स्नैच प्रयास में 84 किग्रा वजन उठाया।

संक्षिप्त समाचार

जहां ज्ञान है, वहीं पूर्णता हैः पीएम मोदी

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को गुरु पूर्णिमा के अवसर पर देशवासियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आज ही के दिन भगवान बुद्ध ने बुद्धत्व की प्राप्ति के बाद अपना पहला ज्ञान संसार को दिया था। हमारे यहां कहा गया है कि जहां ज्ञान है, वहीं पूर्णता है। जब उपदेश करने वाले स्वयं बुद्ध हो तो स्वाभाविक है कि ज्ञान संसार के कल्याण का पर्याय बन जाता है। पीएम ने कहा कि सारनाथ में भगवान बुद्ध ने पूरे जीवन का सूत्र हमें बताया था। उन्होंने दुःख के बारे में बताया, दुःख के कारण के बारे में बताया, ये आश्वासन दिया कि दुःखों से जीता जा सकता है और इस जीत का रास्ता भी बताया। उन्होंने कहा कि आज कोरोना महामारी के रूप में मानवता के सामने संकट है तब बुद्ध हमारे लिए और प्रासंगिक हो जाते हैं। बुद्ध के सम्यक विचार को लेकर आज दुनिया के देश भी एक दूसरे का हाथ थाम रहे हैं।

भारी बारिश और बाढ ने देश में मचाई तबाही

देश के दक्षिण पश्चिम हिस्से में बाढ़ का प्रकोप

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। भारत में हो रही भारी बारिश के कारण भूस्खलन व दुर्घटनाओं के बाद शनिवार को राहत व बचाव कार्य की पूरी टीम मलबे के नीचे दबे दर्जनों घरों से लोगों को निकालने में जुटी रही। चार दशकों के बाद महाराष्ट्र ने जुलाई में इतनी भारी बारिश का सामना किया है। कई दिनों से हो रही बारिश के कारण हजारों लोग प्रभावित हुए हैं। NDRF के DIG मोहसिन शाहिदी ने बताया, पिछले 2 दिनों में भारी बारिश के कारण महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना और आंध्र प्रदेश के कई हिस्से बाढ़ से प्रभावित हैं। महाराष्ट्र में हमारी 18 टीम राहत एवं बचाव अभियान में लगी हैं। उड़ीसा से 8 अतिरिक्त टीमों को एयरलिफ्ट करके महाराष्ट्र भेजा जा रहा है।

अभी देश कोरोना महामारी की दूसरी लहर के प्रकोप से निकलने की कोशिश से जूझ ही रहा है और कई हिस्सों में भारी बारिश के कारण बाढ़ के हालात बन गए हैं। देश के पश्चिम और दक्षिणी हिस्सों में भारी बारिश के कारण बाढ़ ने तबाही मचा रखी है। गोवा में भी भारी बारिश के कारण एक महिला की मौत भी हो चुकी है। महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, कर्नाटक समेत कई देश इस वक्त बाढ़ की चपेट में हैं। पिछले कई दिनों से हो रही बारिश के कारण तेलंगाना के कई गांव पूरी तरह से पानी में डूब चुके हैं। महाराष्ट्र में हुई 100 से अधिक लोगों की मौत।

वहीं कर्नाटक के अलग–अलग हिस्सों में बीते 24 घंटे में भारी बारिश के कारण तीन मौतें दर्ज हुई हैं। गोवा में भारी बारिश और नदियों का जलस्तर बढ़ने के बाद आई बाढ़ से संबंधित घटना में एक महिला की मौत हो गई और करीब 1,000 मकान क्षतिग्रस्त हो गए।

देश के कई हिस्सों में भारी बारिश की चेतावनी

देश के मुख्तलिफ इलाकों में झमाझम बारिश हो रही है। महाराष्ट्र में मूसलाधार बारिश कहर बरपा दिया है। मौसम विभाग के मुताबिक महाराष्ट्र समेत पश्चिमी तट पर कुछ इलाकों भारी से बहुत भारी बारिश के साथ व्यापक रूप से बारिश होने की संभावना है। हालांकि धीरे धीरे कोंकण, गोवा और आंतरिक महाराष्ट्र समेत पश्चिमी तट पर वर्षा की तीव्रता में कमी आएगी। मौसम विभाग की ओर से कहा गया है कि अगले हफ्ते उत्तरी पश्चिमी बंगाल की खाड़ी में कम दबाव के क्षेत्र की वजह से पूर्वी और उत्तरी भारत में अगले दो दिनों तक अच्छी बारिश हो सकती है।

फिर बढ़ गई कोविड के इलाजरत मरीजों की संख्या

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। पिछले 24 घंटों में कोविड के नए मरीजों, इलाज के लिए अस्पतालों में भर्ती मरीजों और महामारी से हुई मौतों की संख्या बढ़ गई है। देश में शनिवार को कोविड–19 के 39,097 मामले सामने आने के बाद संक्रमण के कुल मामले 3,13,32,159 हो गए हैं जबकि 546 और मरीजों की मौत के साथ मृतक संख्या 4,20,016 हो गई।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शनिवार आठ बजे तक के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, देश में कोविड–19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़ कर 4,08,977 हो गई है जो कुल मामलों का 1.34 प्रतिशत है जबकि बीमारी से स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 97.35 प्रतिशत है। एक दिन में उपचाराधीन मामलों में 3,464 मरीज बढ़ गए हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को सुबह 8 बजे ताजा आंकड़े जारी कर बताया था कि पिछले 24 घंटों में कोविड के 35,342 नए मामले जबकि महामारी से कुल 483 लोगों की जान चली गई थी। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या देश में कोविड–19 महामारी की तीसरी लहर की आशंका अभी बनी हुई है?

कोरोना मरीजों की मौतों में भी वृद्धिः ध्यान रहे कि देश में पिछले 24 घंटों में जिन 546 मरीजों की मौत हुई है उनमें से सर्वाधिक 167 महाराष्ट्र से और 132 केरल से थे। देश में अब तक 4,20,016 मरीजों की इस बीमारी के चलते मौत हुई है जिनमें 1,31,205, कर्नाटक में 36,323, तमिलनाडु में 33,862, दिल्ली में 25,041, उत्तर प्रदेश में 22,748 और पश्चिम बंगाल में 18,056 मरीजों की मौत हुई है। स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक 70 प्रतिशत से ज्यादा मौत अन्य गंभीर बीमारियों के चलते हुई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शनिवार को कहा कि राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और निजी अस्पतालों के पास कोविड–19 रोधी टीकों की 2.98 करोड़ से अधिक खुराकें उपलब्ध हैं।

कोरोना अपडेट

■39,097 नए मामले, 546 संक्रमितों की हुई मौत

Are you Planning to make a Website or already have ?

If yes, then we are here to serve you

What we do

Website Development

All type of Websites E-Commerce, Hotel Booking, Travel, Bus Ticket Booking, News Portal, Blogs, or as per client requirement.

Promotion & Branding

1. Website Promotion & Branding in any country (200+ Countries)
2. Social Media
3. Bulk SMS

Search Engine Optimisation

A-2-Z Work to make a Website Search Engine Friendly.
You tell us, we do it.

Contact:
Gadoli Media Ventures
Shivam Market, 2nd Floor, Darshan Lal Chowk, Dehra Dun. I Mob: 9319700701, 7579011930
E-Mail: contact@gadoli.in

दुनिया को करुणा, दया की जरूरत: राष्ट्रपति

आषाढ़ पूर्णिमा - धर्म चक्र दिवस के वार्षिक कार्यक्रम पर दिया संदेश

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने शनिवार को कहा कि दुनिया कोविड–19 के कहर से जूझ रही है और उसे पहले के मुकाबले कहीं अधिक करुणा, दया और निस्वार्थ भाव की जरूरत है। कोविंद ने एक कार्यक्रम में कहा कि बौद्ध धर्म से निकले इन वैश्विक मूल्यों को विचारों तथा कार्यों में अपनाए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा, 'वैश्विक चिंता के मुद्दों से निपटने में बौद्ध मूल्य और सिद्धांत दुनिया को बेहतर स्थान बनाने में मदद करेंगे।' वह अंतरराष्ट्रीय बौद्ध कन्फेडरेशन की ओर से आयोजित आषाढ़ पूर्णिमा – धर्म चक्र दिवस के वार्षिक कार्यक्रम को वीडिया संदेश के जरिए संबोधित कर रहे थे। राष्ट्रपति भवन से जारी एक बयान के अनुसार, कोविंद ने कहा कि भगवान बुद्ध के जीवन में मानवता के अमूल्य सिद्धांत हैं। उन्होंने कहा, 'कोविड–19 के असर से जूझ रही दुनिया को पहले से कहीं अधिक करुणा, दया और निस्वार्थ भाव की आवश्यकता है।' उन्होंने कहा कि भगवान बुद्ध की शिक्षाओं के सार पर बने रहना महत्वपूर्ण है।